

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में अमृत 2.0 कार्यक्रम के तहत 495 करोड़ रु० की लागत से निर्माणाधीन गोड़धोइया नाला परियोजना के कार्यों का निरीक्षण किया

गोड़धोइया नाला परियोजना आगामी 15 जून तक पूर्ण की जाए : मुख्यमंत्री

**इस परियोजना से 05 लाख लोग लाभान्वित होंगे,
जल भराव समस्या का निराकरण होगा**

**यह परियोजना एक मृत नाले को पुनर्जीवित करने का माध्यम बनी,
38 एम०एल०डी० की एस०टी०पी० और 61 एम०एल०डी० क्षमता के पम्पिंग स्टेशन निर्मित**

वन महोत्सव के दौरान इस नाले के दोनों तरफ पौधरोपण किया जाए

**नगर निगम गोरखपुर स्वच्छता का मॉडल प्रस्तुत कर रहा तथा गोरखपुर विकास
प्राधिकरण कन्वेंशन सेण्टर तथा नयी-नयी आवासीय कॉलोनी का निर्माण कर रहा**

**नागरिकों का दायित्व कि प्लास्टिक का उपयोग न करें, नालों में प्लास्टिक,
कपड़े, गंदगी आदि न फेंके, इससे हमारा शहर स्वच्छ व सुंदर होगा तथा लोग
बीमारियों से सुरक्षित होंगे और गोरखपुर समृद्धि के नए लक्ष्य को प्राप्त करेगा**

लखनऊ : 15 मई, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज जनपद गोरखपुर में 495 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन गोड़धोइया नाला परियोजना (पक्का नाला निर्माण, डायवर्जन, इण्टरसेप्शन और ट्रीटमेण्ट की परियोजना) के कार्यों का दो स्थानों (जीरो प्वाइंट जंगल छत्रधारी और बिछिया एस०टी०पी०) पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अब तक हुए कार्यों पर संतोष जताते हुए शेष बचे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अमृत 2.0 कार्यक्रम के तहत यह परियोजना आगामी 15 जून तक पूर्ण हो जाएगी और उसके बाद एक भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यदायी संस्था जल निगम (शहरी) के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री जी को बताया कि परियोजना की अब तक की कुल भौतिक प्रगति 95 प्रतिशत है। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत 9.25 कि०मी० की लम्बाई में नाला निर्माण हो चुका है। 38 एम०एल०डी० का एस०टी०पी० (सीवरेज ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट) बन गई और वर्तमान में इसका ट्रायल रन चल रहा है। 61 एम०एल०डी० क्षमता के पम्पिंग स्टेशन का भी कार्य पूर्ण हो गया है और इसका भी ट्रायल रन किया जा रहा है। 17.94 कि०मी० इण्टरसेप्टिंग सीवर लाइन में से 17.50 कि०मी० तक कार्य हो गया है, शेष कार्य भी जारी है। 14 ब्रिज/कल्वर्ट भी बन गए हैं। शेष कार्य को भी तेजी से कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 15 जून तक गोड़धोइया नाला प्रोजेक्ट के सभी काम पूर्ण हो जाने से इस वर्ष मानसून से पहले आधे शहर की जलभराव की समस्या दूर हो जाएगी। इससे शहर के उत्तरी छोर की लगभग पांच लाख आबादी को बड़ी राहत मिलेगी। गोरखपुर में जल भराव एक बड़ी चुनौती थी। इससे जल जनित और मच्छर जनित बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा था। अब इस समस्या का समाधान हो गया है।

गोड़धोइया नाला अब न केवल अतिक्रमण मुक्त हो गया है, बल्कि जल भराव की समस्या को दूर करने का भी बड़ा माध्यम बन रहा है।

वन महोत्सव के दौरान इस नाले के दोनों तरफ पौधरोपण अभियान को भी बढ़ावा दिया जाएगा। किसी भी शहर की सूरत को बदलने, लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने और ईज़ ऑफ लिविंग को सर्वोत्तम बनाने के लिए क्या मॉडल होना चाहिए, आज गोरखपुर शहर उसका एक उदाहरण बन रहा है। पिछले 09 वर्ष में गोरखपुर महानगर ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। आज गोरखपुर शहर में चारों दिशाओं से 4-लेन सड़कों की कनेक्टिविटी है। गोरखपुर में रामगढ़ताल का सुंदरीकरण हो चुका है। गोरखपुर में जल निकासी की उचित व्यवस्था, खुले नालों को बंद करने की व्यवस्था तथा उसमें बहने वाले जल को उपचारित करने की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कभी छोटी नदी रही गोड़धोइया नाला, एक गंदा नाला बन चुका था। यह जंगल छत्रधारी होते हुए रामगढ़ताल में गिरता था। पहले यह नाला गंदगी, प्रदूषण, मच्छर, जलजमाव का कारण बन जाता था। आज इसका पुनरुद्धार कर इसे अत्याधुनिक मॉडल के रूप में खड़ा किया जा रहा है। यह परियोजना एक मृत नाले को पुनर्जीवित करने का माध्यम बनी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब गोड़धोइया नाले में कोई सीवर और कोई गंदा नाला नहीं गिर रहा है, इसमें केवल शुद्ध पानी प्रवाहित होगा। सीवर और ड्रेनेज के लिए इसमें दोनों तरफ अलग से भूमिगत लाइन बिछायी गयी है। लगभग 9.5 कि०मी० और 09 मीटर चौड़ा यह नाला आर०सी०सी० से निर्मित है। वर्षा काल में यह नाला गोरखपुर महानगर के जल को रामगढ़ताल, तरकुलानी होते हुए राप्ती नदी में छोड़ देगा। इस नाले में 14 कल्वर्ट/ब्रिज बनाए गए हैं, जो इस पार से उस पार तक आवागमन को आसान बनाएंगे। इस नाले के दोनों तरफ सड़क के निर्माण कार्य को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे इस क्षेत्र के लोगों को एक वैकल्पिक मार्ग प्राप्त होगा। इस परियोजना में 38 एम०एल०डी० की एस०टी०पी० और 61 एम०एल०डी० क्षमता के पम्पिंग स्टेशन का भी निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज गोरखपुर विकास का मॉडल बना है। नगर निगम गोरखपुर स्वच्छता का मॉडल प्रस्तुत कर रहा है तथा गोरखपुर विकास प्राधिकरण कन्वेंशन सेक्टर तथा नयी-नयी आवासीय कॉलोनी का निर्माण कर रहा है। आज गोरखपुर के विकास के लिए सरकार द्वारा धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। यह गोड़धोइया नाला भी उसी का एक हिस्सा है। आज नगर निगम गोरखपुर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। हम नागरिकों का भी यह दायित्व है कि हम प्लास्टिक का उपयोग न करें, नालों में प्लास्टिक, कपड़े, गंदगी आदि न फेंके। यदि ऐसा हम करेंगे, तो हमारा शहर स्वच्छ व सुंदर होगा। इससे वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ी विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित होगी और गोरखपुर समृद्धि के नए लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा।

कार्यक्रम में सांसद श्री रवि किशन शुक्ल, महापौर डॉ० मंगलेश श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधिगण तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।